Daily Current Affairs

Date : 22 April, 2026

UTKARSH CLASSES CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	मानसिक स्वास्थ्य को समर्पित 'राज-ममता' कार्यक्रम
2.	केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में 43वीं सारस गणना
3.	रूफ टॉप सौर ऊर्जा में राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM) 2026 के लिए रोड शो 2. 'ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार' का 15वाँ संस्करण 3. राष्ट्रपति भवन में 'राजस्थानी फूड' 4. राजस्थान विश्वविद्यालय में हाइड्रोजन गैस लैब 5. श्रेयांशी जैन : फर्स्ट फिडे कैडेट्स एंड यूथ ब्लिट्ज़ सॉल्विंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक 6. '11वीं मॉस्को स्टार्स वुशू चैंपियनशिप - 2026' में राजस्थान 7. आर्यन नेहरा : इंटरनेशनल बर्लिन ओपन - 2026 में कांस्य पदक
5.	जामुन (Syzygium cumini)
6.	चक्रीय अर्थव्यवस्था (Circular Economy)
7.	समृद्ध ग्राम पहल
8.	ओडिशा: समुद्री स्थानिक योजना शुरू करने वाला पहला राज्य
9.	दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की भारत यात्रा
10.	हर्फ़िंडहल-हर्शमैन सूचकांक (HHI)
11.	घरेलू सामाजिक उपभोग: स्वास्थ्य' सर्वेक्षण

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

मानसिक स्वास्थ्य को समर्पित 'राज-ममता' कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के बजट में 'राज-ममता' कार्यक्रम की घोषणा की गई। इसी संदर्भ में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर 'राज-ममता' कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु तैयारियाँ शुरू की गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **'राज-ममता' का पूरा नाम :** राजस्थान मेंटल अवेयरनेस, मॉनिटरिंग एंड ट्रीटमेंट फोर ऑल।
- कार्यक्रम के तहत युवाओं में बढ़ते तनाव और आत्महत्या जैसी प्रवृत्तियों को रोकने के लिए शिक्षण संस्थानों में विशेष काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिए स्वास्थ्य मित्रों और आशा सहयोगिनियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।
- **सेंटर ऑफ एक्सीलेंस :** 'राज-ममता' के अंतर्गत जयपुर में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मेंटल हैल्थ' की स्थापना की जा रही है। जहाँ अत्याधुनिक काउंसलिंग और टेली-मेडिसिन जैसी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।
- **मेंटल हेल्थ केयर सेल :** प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर 'मेंटल हेल्थ केयर सेल्स' स्थापित किए जाएंगे, ताकि नागरिकों को अपने ही जिले में विशेषज्ञ परामर्श, पुनर्वास और उपचार सुलभ हो सके।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **नेशनल टेली मेंटल हैल्थ प्रोग्राम :** देश में गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और देखभाल सेवाओं तक पहुँच को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 10 अक्टूबर, 2022 को 'नेशनल टेली मेंटल हैल्थ प्रोग्राम' की शुरुआत की गई।
- साथ ही, सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक विकारों जैसे मुद्दों के लिए सहायता प्रदान हेतु विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर, 2024) के अवसर पर टेली-मानस मोबाइल एप्लिकेशन का शुभारंभ किया।
- 'नेशनल टेली मेंटल हैल्थ प्रोग्राम' के अंतर्गत जयपुर में मई, 2023 और जोधपुर में नवंबर, 2023 से सेवा प्रदान की जा रही है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स :

- **मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 :** भारत में मानसिक बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को अधिकार देने और उनके सही इलाज के लिए बनाया गया एक प्रगतिशील कानून।
- यह अधिनियम 29 मई, 2018 से प्रभावी हुआ जिसने मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम 1987 को प्रतिस्थापित किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में 43वीं सारस गणना

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भरतपुर स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में 43वीं सारस गणना का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजक :** केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (BNHS) और राजस्थान वन विभाग।
- **उद्देश्य :** सारस क्रेन की वर्तमान संख्या, उनके प्रजनन स्थलों और आवास (वेटलैंड्स) की स्थिति का आकलन करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह वार्षिक गणना विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को समझने और आगामी पर्यावरण नीतियों के लिए डेटा तैयार करने में मदद करती है।
- **आँकड़े :** 43वीं सारस गणना के अनुसार घना पक्षी विहार में 22 और भरतपुर व डीग वेटलैंड क्षेत्र में 81 साइबेरियन सारस की उपस्थिति दर्ज की गई।
- **पुस्तक का विमोचन :** डॉ. एमएम त्रिगुणायत एवं डॉ. कृतिका त्रिगुणायत द्वारा लिखित पुस्तक "पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण जैविकी" का विमोचन गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म द्वारा किया गया।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान):

- **अवस्थिति :** भरतपुर में स्थित एक प्रसिद्ध आर्द्रभूमि और पक्षी अभयारण्य।
- **अन्य नाम :** 'पक्षियों का स्वर्ग'।
- दुर्लभ साइबेरियाई सारस के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध।
- प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी डॉ. सलीम अली की कर्मस्थली।
- **उद्यान की जीवन रेखा :** अजान बाँध।
- **वर्ष 1981 :** रामसर स्थल का दर्जा।
- **वर्ष 1982 :** राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा।
- **वर्ष 1985 :** यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित।
- **नोट :** इस राष्ट्रीय उद्यान में यूट्रीकुलेरिया या ब्लैडरवॉर्ट नामक मांसाहारी (Carnivorous) पौधा पाया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

रूफ टॉप सौर ऊर्जा में राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर

चर्चा में क्यों?

- 22 अप्रैल, 2026 के आँकड़ों के अनुसार राजस्थान कुल रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन के मामले में देश में तीसरे स्थान पर है, जिसकी कुल क्षमता 2090 मेगावाट है। (स्रोत - DIPR)

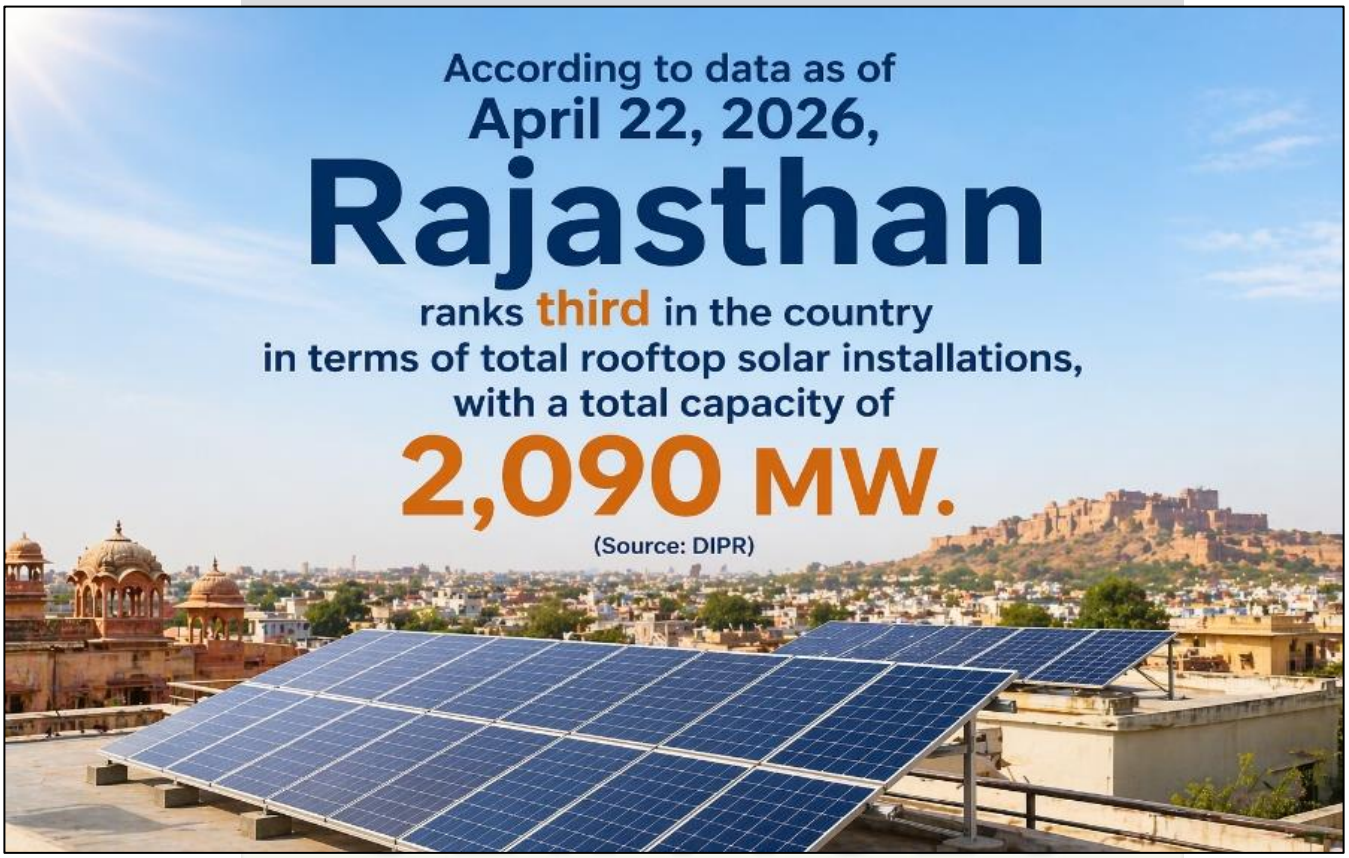

मुख्य बिन्दु:

- **रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन में शीर्ष तीन राज्य :** गुजरात (6,882 मेगावाट), महाराष्ट्र (5,442 मेगावाट) और राजस्थान (2090 मेगावाट)।
- **'PM सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना' में राजस्थान का स्थान :** गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और केरल के बाद पाँचवाँ।
- PM सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना के अन्तर्गत राज्य में अब तक 686 मेगावाट क्षमता के 1,77,468 रूफ टॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **राजस्थान, जहाँ सौर विकिरण तीव्रता 6-7 किलोवाट घण्टे/वर्गमीटर/दिन और वार्षिक 325 से अधिक सौर दिवस हैं, सौर ऊर्जा के लिए एक बड़ी क्षमता रखता है, जिसकी अनुमानित क्षमता नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार 142 गीगावाट है।**

राजस्थान की एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति, 2024 :

- **मुख्य उद्देश्य : वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान देना।**
- **इस नीति के तहत् वर्ष 2029-30 तक 115 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और 10 गीगावाट ऊर्जा भंडारण क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोमास और ग्रीन हाइड्रोजन को बढ़ावा दिया जाएगा।**
- **नवीकरणीय ऊर्जा/सौर पार्कों के बुनियादी ढाँचे के प्रबंधन एवं विकास के लिए राजस्थान सौर पार्क विकास कंपनी लिमिटेड (RRECL) की स्थापना की गई है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM) 2026 के लिए रोड शो** ■ 23 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली में 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM)' के लिए रोड शो का आयोजन किया गया। ■ 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM) 2026 का आयोजन 23 से 25 मई, 2026 तक जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC), सीतापुरा (जयपुर) में किया जाएगा। ■ नई दिल्ली के अलावा अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे में भी राज्य सरकार द्वारा रोड शो आयोजित किए जाएंगे। ■ इन रोड शो का उद्देश्य राज्य की प्रगतिशील कृषि नीतियों, निवेश की संभावनाओं तथा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों को राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना है।
2.	**'ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार' का 15वाँ संस्करण** ■ **आयोजन :** 26 से 28 अप्रैल, 2026 तक जयपुर में। ■ **संस्करण :** 15वाँ। ■ **आयोजक :** राजस्थान पर्यटन विभाग, केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय और फिक्की (FICCI)। ■ **सहयोगी :** होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स। ■ **उद्देश्य :** भारत के इनबाउंड टूरिज्म (विदेशी पर्यटकों का आगमन) को मजबूत करना और नेटवर्किंग को बढ़ावा देना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.	**राष्ट्रपति भवन में 'राजस्थानी फूड'** ■ राष्ट्रपति भवन में हाल ही में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति के सम्मान में आयोजित राजकीय भोज में राजस्थानी व्यंजनों को परोसा गया। ■ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित इस विशेष रात्रिभोज में राजस्थानी विरासत को प्रदर्शित करने के लिए राजस्थान के पारंपरिक व्यंजनों को चुना गया था। ■ इस भोज में राजस्थान के जैसलमेर, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर और जयपुर के पारंपरिक व्यंजनों को आधुनिक और शाही अंदाज में परोसा गया।
4.	**राजस्थान विश्वविद्यालय में हाइड्रोजन गैस लैब** ■ राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के ECH (Energy & Chemical Hub) सेंटर में प्रदेश की पहली हाईटेक हाइड्रोजन गैस रिसर्च लैब विकसित की जा रही है। ■ **उद्देश्य :** हाइड्रोजन ऊर्जा और एंटीमैटर एनर्जी के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना। ■ ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय के इसी सेंटर में 'मेड इन इंडिया हाइड्रोजन गैस प्रोटोटाइप' विकसित किया गया है। **अन्य बिन्दु:** ■ **भारत की पहली बहुउद्देशीय हरित हाइड्रोजन पायलट परियोजना :** झाकरी, हिमाचल प्रदेश। ■ **भारत की पहली हाइड्रोजन बस :** एनटीपीसी द्वारा लेह, लद्दाख में संचालित। ■ **भारत का पहला 'मेक इन इंडिया ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट' :** दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी द्वारा गुजरात के कांडला पोर्ट पर कमीशन। ■ **भारत का पहला हाइड्रोजन ईंधन सेल-संचालित ट्रक :** अडानी एंटरप्राइजेज द्वारा विकसित।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

5.	**श्रेयांशी जैन : फर्स्ट फिडे कैडेट्स एंड यूथ ब्लिट्ज़ सॉल्विंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक** ■ जयपुर की शतरंज खिलाड़ी श्रेयांशी जैन ने हाल ही में 'फर्स्ट फिडे कैडेट्स एंड यूथ ब्लिट्ज़ सॉल्विंग चैंपियनशिप - 2026' में अंडर-8 बालिका वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। ■ **प्रतियोगिता का आयोजन :** वृन्जाका बंज़ा, सर्बिया।
6.	**'11वीं मॉस्को स्टार्स वुशू चैंपियनशिप - 2026' में राजस्थान** ■ राजस्थान के 2 खिलाड़ियों ने '11वीं मॉस्को स्टार्स वुशू चैंपियनशिप - 2026' में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। ■ शिव कुमार (स्वर्ण पदक), भार वर्ग: 60 किलोग्राम। ■ धीरज चौधरी (रजत पदक), भार वर्ग: 100 किलोग्राम। ■ **प्रतियोगिता का आयोजन :** मॉस्को (रूस) में 15 से 21 अप्रैल, 2026 तक।
7.	**आर्यन नेहरा : इंटरनेशनल बर्लिन ओपन - 2026 में कांस्य पदक** ■ हाल ही में, राजस्थान के तैराक आर्यन नेहरा ने जर्मनी में आयोजित इंटरनेशनल बर्लिन ओपन – 2026 में 800 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। ■ **प्रतियोगिता का आयोजन :** जर्मनी के बर्लिन में। ■ **आर्यन नेहरा का संबंध :** सीकर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भूगोल एवं भू-विज्ञान

जामुन (Syzygium cumini)

चर्चा में क्यों?

- एक नए अध्ययन के अनुसार, जामुन की उत्पत्ति पहले के अनुमान की तुलना में बहुत पहले हुई थी। इसके विकासवादी इतिहास में भारत की केंद्रीय भूमिका रही है।

मुख्य बिन्दु:

वितरण:

- यह भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण पूर्व एशिया की स्थानिक प्रजाति है।
- भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार में व्यापक रूप से उगाया जाता है।

जलवायु दशाएं:

- यह सदाबहार वृक्ष है, जो उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु में उगता है।
- जलभराव और लवणता सहिष्णु है।
- **महत्त्व:** आयुर्वेद में इसके बीजों और छाल का उपयोग किया जाता है। विशेष रूप से मधुमेह के इलाज में इसका उपयोग होता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

चक्रीय अर्थव्यवस्था (Circular Economy)

चर्चा में क्यों?

- विश्व "चक्रीय अर्थव्यवस्था" की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने उदाहरण दिया कि सरकार ने स्वच्छता अभियान के दौरान स्क्रैप (ई-अपशिष्ट सहित) से 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है।

मुख्य बिन्दु:

चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी)

- **अर्थ:** अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO) के अनुसार, यह एक ऐसी आर्थिक व्यवस्था है जिसमें संसाधनों का बार-बार उपयोग किया जाता है: उन्हें रिकवर (वापस लाना), दोबारा इस्तेमाल करना और उनका मूल्य बढ़ाना ताकि संधारणीय विकास हो सके।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह पारंपरिक 'रैखिक आर्थिक मॉडल' "लो-बनाओ-उपयोग करो-फेंक दो" के विपरीत है, जहां संसाधनों का एक बार उपयोग करके उन्हें फेंक दिया जाता है।
- **भारत में संभावनाएँ:** यह वर्ष 2050 तक 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का बाजार मूल्य और लगभग 1 करोड़ रोजगार के अवसर सृजित कर सकता है।

चक्रीय अर्थव्यवस्था के मुख्य लाभ:

- अपशिष्ट में कमी होना
- प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होना
- कच्चे माल पर निर्भरता कम होना
- रोजगार के अवसर बढ़ना।

भारत में चक्रीय अर्थव्यवस्था की दिशा में उठाए गए प्रमुख कदम

- **नीतिगत कदम:** राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति (NREP), 2019 बनाई गई है; विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (EPR) का ढांचा जारी की गई है, आदि।
- **सक्षम योजनाएँ:** स्वच्छ भारत मिशन (भारत को अपशिष्ट मुक्त देश बनाना); अटल नवाचार मिशन (चक्रीय व्यवसाय मॉडल के विकास का समर्थन करना), आदि।
- **अनुसंधान और विकास:** नीति आयोग में 'चक्रीय अर्थव्यवस्था प्रभाग' बनाया गया है। इसके तहत टायर, ई-अपशिष्ट, स्क्रैप धातु आदि पर विशेष कार्य समूह बनाए गए हैं।
- **क्षेत्रक-स्तरीय नीतियाँ:** इस्पात स्क्रैप पुनर्चक्रण नीति; चक्रीय अर्थव्यवस्था में निवेश और संवर्धन MSE-योजना (MSE-SPICE); इकोमार्क नियम, आदि।

विश्व में नेतृत्वकारी प्रयास:

- 12वें 'एशिया और प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय 3R और चक्रीय अर्थव्यवस्था मंच (2025) में जयपुर घोषणापत्र जारी किया गया।
- मिशन LiFE (पर्यावरण के लिए जीवनशैली), आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

योजनाएँ एवं नीतियाँ

समृद्ध ग्राम पहल

चर्चा में क्यों?

- समृद्ध ग्राम पहल को 'सक्षम वातावरण' श्रेणी के तहत वर्ल्ड समिट ऑन द इंफॉर्मेशन सोसाइटी (WSIS) पुरस्कार 2026 के लिए नामांकित किया गया था।

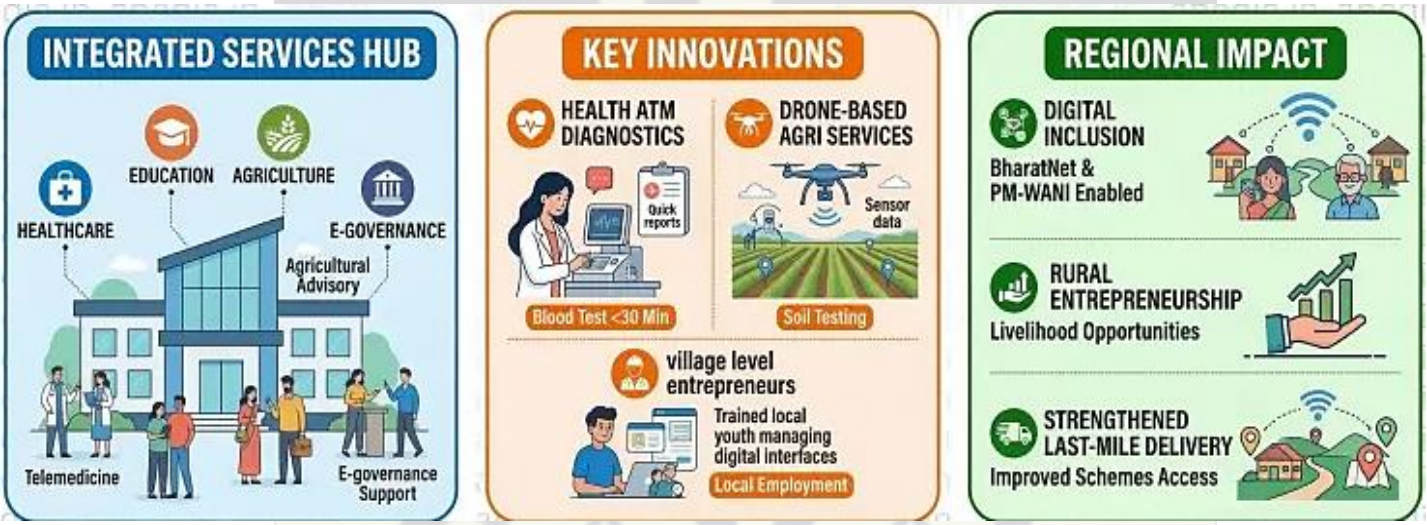

मुख्य बिन्दु:

- सरकारें, निजी कंपनियां, नागरिक समाज, अंतर्राष्ट्रीय संगठन आदि सभी WSIS पुरस्कार के लिए परियोजनाएँ जमा कर सकते हैं।

समृद्ध ग्राम पहल के बारे में: एकीकृत फिजिटल (Phygital) सेवा वितरण मॉडल

- **मंत्रालय:** संचार मंत्रालय।
- यह भारतनेट पर आधारित है और एकीकृत "फिजिटल" (भौतिक + डिजिटल) सेवाएँ प्रदान करने वाले वन-स्टॉप हब के रूप में समृद्धि केंद्र स्थापित करता है।
- **महत्त्व:** यह ग्रामीण नागरिकों को स्वास्थ्य-देखभाल सेवा, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन और ई-कॉमर्स जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुँचने में सक्षम बनाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

वर्ल्ड समिट ऑन द इंफॉर्मेशन सोसाइटी (WSIS)

- यह दो-चरणीय बहु-हितधारक शिखर सम्मेलन है। यह डिजिटल विकास और समावेशी सूचना समाजों को बढ़ावा देता है।
- **जिनेवा चरण (2003):** इसने मूलभूत ढाँचा स्थापित किया।
- **ट्यूनिस चरण (2005):** इसने कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया। इसने ट्यूनिस एजेंडा स्थापित किया, जिसने इंटरनेट गवर्नेंस फोरम बनाया।
- **प्रमुख संयुक्त राष्ट्र एजेंसी:** अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ओडिशा: समुद्री स्थानिक योजना शुरू करने वाला पहला राज्य

चर्चा में क्यों?

- ओडिशा सरकार ने हाल ही में केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र के साथ राज्य में एकीकृत तटीय और समुद्री नियोजन के लिए एक समुद्री स्थानिक योजना शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्य बिन्दु:

- पहले चरण में, इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों, पुडुचेरी और लक्षद्वीप में शुरू किया गया था ।
- 550 किलोमीटर से अधिक लंबी तटरेखा वाला ओडिशा, एमएसपी को दूसरे चरण में लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

समुद्री स्थानिक योजना (एमएसपी) क्या है ?

- समुद्री स्थानिक योजना, सतत और एकीकृत महासागर प्रबंधन का एक उपकरण है जिसका उद्देश्य नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलेपन को मजबूत करना है।
- यह बंदरगाहों, मत्स्य पालन, जलीय कृषि, पर्यटन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग को सक्षम बनाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की भारत यात्रा

चर्चा में क्यों?

- दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की भारत यात्रा "विशेष रणनीतिक साझेदारी" के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। इस यात्रा के परिणामस्वरूप संयुक्त रणनीतिक विजन (2026-2030) और कई अन्य समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्य बिन्दु:

यात्रा की मुख्य उपलब्धियाँ

- **द्विपक्षीय संबंध के आधार को मजबूती:** साझेदारी को निरंतर मार्गदर्शन देने के लिए वार्षिक नेतृत्व -स्तरीय बैठक को संस्थागत रूप दिया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समन्वय:** दक्षिण कोरिया 'हिंद-प्रशांत महासागर पहल' में शामिल हुआ। यह भारत द्वारा शुरू की गई गैर-संधि आधारित एक स्वैच्छिक व्यवस्था है।
- **आर्थिक सहयोग:** वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 54 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया।
- **आर्थिक सुरक्षा वार्ता:** इसे आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए शुरू किया गया है।
- **जलवायु के क्षेत्र में सहयोग:** दक्षिण कोरिया अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) में शामिल हुआ, जबकि भारत ग्लोबल ग्रीन ग्रोथ इंस्टीट्यूट (GGGI) में शामिल हुआ।
- **GGGI के बारे में:** इसका मुख्यालय सियोल (दक्षिण कोरिया) में है। यह संधि-आधारित अंतर्राष्ट्रीय और अंतर-सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना 2012 में रियो+20 सम्मेलन में हुई थी।
- **जन-से-जन संपर्क:** वर्ष 2028-29 को 'भारत-कोरिया गणराज्य मित्रता वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा।
- K-पॉप और बॉलीवुड के बीच सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 'मुंबई कोरिया सेंटर' प्रारंभ किया जाएगा।
- **समुद्री और जहाज निर्माण:** जहाज निर्माण, शिपिंग और समुद्री लॉजिस्टिक्स में व्यापक साझेदारी की घोषणा की गई। इसके साथ ही VOYAGES (विजन फॉर ऑपरेशन ऑफ़ 'यार्ड असिस्टेड ग्रोथ विथ एफिशिएंसी एंड स्केल) दृष्टिकोण साझा किया गया।
- **प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग:** AI, सेमीकंडक्टर और IT क्षेत्रकों में सहयोग के लिए 'भारत-कोरिया डिजिटल ब्रिज' प्रारंभ किया गया।

भारत-दक्षिण कोरिया संबंध

- **विशेष रणनीतिक साझेदारी:** इसकी स्थापना 2015 में की गई थी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **द्विपक्षीय व्यापार:** वर्तमान में 27 बिलियन डॉलर, जिसमें भारत 15.19 बिलियन डॉलर के व्यापार घाटे का सामना कर रहा है।
- **व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (CEPA) 2010:** भारत व्यापार घाटे को दूर करने और अधिक संतुलित साझेदारी सुनिश्चित करने के लिए इसके उन्नयन की मांग कर रहा है।

रक्षा सहयोग:

- रक्षा उद्योग सहयोग के लिए 2020 रोडमैप।
- दक्षिण कोरियाई कंपनी द्वारा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से भारत में K9-वज्र होवित्जर तोपों का निर्माण हो रहा है।
- स्टार्टअप्स और निवेशकों को जोड़ने के लिए KIND-X (कोरिया-इंडिया डिफेंस एक्सेलेरेटर) की शुरुआत की गई है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

हर्फ़िंडहल-हर्शमैन सूचकांक (HHI)

चर्चा में क्यों?

- नीति आयोग की 'ट्रेड वॉच क्वार्टरली' रिपोर्ट के अनुसार, निर्यात के लिए HHI गिर रहा है। यह निर्यात में विविधीकरण का संकेत देता है, क्योंकि उत्पादों और क्षेत्रों दोनों में संकेंद्रण कम हो रहा है।

मुख्य बिन्दु:

सूचकांक के अन्य मुख्य अंश

- **रत्न और आभूषण क्षेत्रक:** भारत का निर्यात (कच्चे सोने को छोड़कर) वैश्विक बाजार में 7.8% हिस्सेदारी है।
- पश्चिम एशिया में अस्थिरता ने भारत-खाड़ी सहयोग परिषद मुक्त व्यापार समझौते के सहयोग को धीमा कर दिया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

HHI

- यह किसी निर्यातक के संपूर्ण भागीदारों के बीच व्यापार मूल्य के विस्तार का एक माप है।
- इसकी गणना कुल व्यापार में प्रत्येक व्यापार भागीदार की हिस्सेदारी के वर्गों के योग के रूप में की जाती है।
- उच्च HHI मान अधिक व्यापार संकेंद्रण को दर्शाता है। इसके विपरीत, निम्न मान अधिक विविधीकरण को इंगित करता है।
- व्यापार का अधिक केंद्रीकरण लचीलापन को कम कर देता है, क्योंकि इससे किसी एक क्षेत्र या एक ही प्रकार के उत्पाद पर ज्यादा निर्भरता बढ़ जाती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

घरेलू सामाजिक उपभोग: स्वास्थ्य' सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) द्वारा जारी यह सर्वेक्षण जनवरी-दिसंबर, 2025 के दौरान आयोजित किया गया था। यह राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (NSS) के 80वें चक्र के तहत आयोजित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- लगभग 13.1% व्यक्तियों ने पिछले 15 दिनों के दौरान ख़ुद को क्रोनिक बीमारियों सहित कुछ बीमारियों से पीड़ित बताया। पिछले सर्वेक्षण (2017-18) में यह आँकड़ा 7.5% था।
- अस्पताल में भर्ती होने की दर 60 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग में सर्वाधिक (8.1%) थी।
- संक्रामक रोगों की रिपोर्टिंग में कमी आई है। इसके विपरीत, उच्च रक्तचाप, मधुमेह (दोनों का सर्वाधिक योगदान) और थायराइड विकारों जैसे गैर-संचारी रोगों की रिपोर्टिंग में वृद्धि हुई है।
- कार्डियो-वैस्कुलर और अंत:स्रावी/ चयापचय संबंधी बीमारियाँ 30 वर्ष की आयु के बाद सबसे अधिक बार दर्ज की गईं।
- लगभग पूर्ण संस्थागत प्रसव (कुल प्रसव का लगभग 96%) दर्ज किए गए। संस्थागत प्रसव से आशय है अस्पतालों में बच्चों का जन्म।
- स्वास्थ्य बीमा कवरेज का विस्तार हुआ है। शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में यह विस्तार अधिक है, जिसमें अधिकांश नामांकन सरकारी प्रायोजित योजनाओं में हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR